पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को टैरिटोरियल आर्मी (प्रादेशिक सेना) में कैप्टन से मेजर के पद पर प्रमोशन के लिए हुई परीक्षा में भाग लिया। एग्ज़ाम का रिजल्ट आगामी कुछ दिनों में आ जायेगा। इसमें सफल होने के बाद पायलट टैरिटोरियल आर्मी में कैप्टन से मेजर पद पर प्रमोट हो जायेंगे। इस मौके पर पायलट सेना की अधिकारिक यूनिफॉर्म में नज़र आये। उन्होंने दिल्ली कैंट में प्रमोशन परीक्षा में शामिल होने के बाद अपनी यूनिट के अन्य अफसरों से मुलाकात की और पायलट ने अपनी यूनिट के अफसरों के साथ काफी समय बिताया, अफसरों ने पायलट के साथ कई तस्वीरें भी खिंचवाईं।

भाजपा की दूसरी लिस्ट तय करने के लिए दिल्ली में आज केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी

बैठक में चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी सहित सभी वरिष्ठ नेता व पार्टी पदाधिकारी शामिल होंगे

- **पहली लिस्ट जारी होने के बाद से ही हर तरफ भारी विरोध हो रहा है, इसलिए दूसरी लिस्ट में पार्टी नेतृत्व पूरी सावधानी बरतना चाहता है।**

जयपुर, 16 अक्टूबर (का.सं.)। प्रदेश भाजपा की पहली सूची जारी होने के बाद लगभग चौतरफा विरोध दिखाई दे रहा है। अब भाजपा की दूसरी सूची के लिए केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक मंगलवार को दिल्ली में आयोजित की जाएगी। भाजपा के दिल्ली मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में राजस्थान भाजपा कोर ग्रुप के नेताओं के साथ बैठक होगी। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, संगठन महासचिव बीएल संतोष भी मौजूद रहेंगे।

राजस्थान से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, सह प्रभारी विजया राहटकर, चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, सह प्रभारी कुलदीप बिश्नोई, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी , नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां आदि बैठक में मौजूद रहेंगे।

इस बैठक में, पहली सूची के बाद प्रदेश में लगभग सभी सीटों को लेकर हो रहे चौतरफा विरोध को कम करने पर चर्चा की जाएगी। वहीं, दूसरी सूची के नामों पर भी एक एक करके चर्चा की जाएगी। उसके बाद ही दूसरी सूची जारी होगी।

हालांकि, माना जा रहा है कि, कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद भाजपा अपनी दूसरी सूची जारी करेगी। गौरतलब है कि, पिछले दिनों भाजपा कोर ग्रुप के नेताओं द्वारा दूसरी सूची के नामों को लेकर प्रदेश में कई स्तरों पर मंथन हुआ, अब उसके बाद प्रदेश के कोर ग्रुप के नेताओं द्वारा दूसरी सूची के नाम का पैनल मंगलवार को होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति को सौंपा जाएगा।

इस बैठक में लगभग 50 सीटों पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा है कि, 70 साल की आयु सीमा पार कर चुके नेताओं, तीन या चार बार जीत चुके विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। इस बार भाजपा द्वारा महिलाओं को पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में टिकट देकर मौका देने की संभावना भी हैं।

प्रदेश से कई सांसदों को पहली सूची में शामिल किया गया है और अब दूसरी सूची में भी सांसदों के नाम आने की संभावना हैं। भाजपा की पहली सूची में कई ऐसे बदलाव देखने को मिले जो आश्चर्यचकित करने वाले थे। कहा जा रहा है कि, अब ये बदलाव दूसरी सूची में भी देखने को मिल सकते हैं। माना जा रहा है कि, बड़े नेताओं का टिकट काटा जाएगा और नए युवा चेहरों पर भाजपा दांव खेलेगी।

'हमारे देश की 98 फीसदी संपत्ति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दोस्त लूट रहे हैं'

ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजैक्ट के लिए कांग्रेस के जन जागरण अभियान का बारां से शुभारंभ करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला

- **खड़गे ने कहा, उद्योगपतियों के 13 से 14 हजार करोड़ के लोन माफ हो जाते है, पर, किसानों पर लाठी-गोली चलवाई जाती है।**
- **खड़गे ने जात आधारित जनगणना करने की मांग दोहराई और कहा कि, गरीबों को उनका हिस्सा मिलना ही चाहिए।**

कोटा, 16 अक्टूबर (निसं)। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजैक्ट (ई.आर.सी.पी.) के लिए कांग्रेस के जन जागरण अभियान की शुरुआत सोमवार से बारां से हुई। अभियान का शुभारंभ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। इसके तहत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने लाल डायरी का भी जिक्र किया। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान आए थे तब उन्होंने लोगों से कहा था कि लाल डायरी में क्या-क्या घोटाला है। मैं पीएम मोदी को जवाब देना चाहता हूं कि लाल डायरी में लिखा हुआ है कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान के सरकार के किए काम की तरफ नहीं देखते हैं लाल, पीली व काली डायरी की बात करते हैं। क्योंकि यह हमारे कामों की आलोचना नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा, बीजेपी जात-पात के नाम पर बांटने वाली है, जबकि हम तो देश को एक करने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा निकालते हैं। भाजपा के नेता दूसरी पार्टियों के नेताओं पर टीका-टिप्पणी करते हैं। जबकि खुद सोने के चम्मच से खाना खाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीते दिनों पार्वती की कुंड के दौरे पर भी तंज कसते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जिस तरह से हाथी के दांत खाने के एक और दिखाने के और होते हैं। इसी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी हालात हैं।

खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी अशोक गहलोत के नेतृत्व की सरकार को ज़ीरो नंबर देने की बात कहते हैं। मैं पूछता हूं कि किसानों को फायदा पहुंचाया, उनका कर्ज माफ किया. गरीबों से किए वायदे निभाए, इसीलिए ज़ीरो नंबर मिला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस पर बोलने का हक नहीं है क्योंकि उन्होंने अमीर और गरीबों के बीच में खाई बढ़ाई है। हमारे देश के 98 फीसदी संपत्ति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त लूट रहे हैं। उद्योगपतियों के 13 से 14 हजार करोड़ रुपए के लोन माफ होते हैं। किसानों का कर्ज माफ करने पर लाठी और गोली चलवाते हैं किसान आंदोलन में उन्होंने 750 किसानों को उन्होंने मरवा दिया।

खड़गे ने मांग की है कि बैकवर्ड क्लास के लोगों के लिए जनगणना होनी चाहिए और गरीबों को उनका हिस्सा मिलना चाहिए। हम किसी को नुकसान नहीं करना चाहते हैं।

यह किसी कौम को अलग नहीं रखना चाहते हैं। हम एकजुट होकर चलना चाहते हैं। जिस तरह से एससी एसटी को मिला वैसा ही जनगणना के आधार पर बैकवर्ड क्लास को भी मिलना चाहिए।

महिला रिजर्वेशन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई के चलते ही दलित और महिलाओं को रिजर्वेशन मिला है। इसी के चलते ग्राम पंचायत से लेकर तालुका और जिला पंचायत तक महिला और एससी एसटी के लोग अध्यक्ष बने हैं। हम यही बिल संसद में लाने वाले थे लेकिन बीजेपी वालों ने ही इसे फैल करवा दिया था।

खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा कोशिश करती है कि जहां पर उनकी मैजॉरिटी नहीं है वहां पर सरकार गिराओ। फिर भाजपा को लेकर आओ वैसा ही राजस्थान में कर रहे थे लेकिन यहां के एमएलए, लीडर, मुख्यमंत्री सब मिलकर गिरती हुई सरकार को बचा रहे थे। आज कई सारी स्कीम आ रही है क्योंकि यह सरकार बच गई है। अगर चली जाती तो, फिर उनके हाथ में चला जाता तो राजस्थान में कुछ भी नहीं होता। भाजपा ने कर्नाटक, गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में सरकार गिराई है। जो चुनकर आता है, उसको खरीदकर ये सरकार बना लेते हैं।

कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य से सोमवार को आई खबर ने वन्यजीव प्रेमियों के मन को खुशी से भर दिया। यहाँ बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया है। अभयारण्य के डिविज़नल फॉरेस्ट ऑफिसर नाहर सिंह ने बताया कि, बाघिन टी-135 के दो शावकों को वन्यजीव कर्मियों ने कैमरा में कैद किया है। विभाग ने शावकों की सुरक्षा के पूरे इंतजाम किये हैं और उनकी गतिविधियों पर पूरी मुस्तैदी से नज़र रखी जा रही है। शावकों की देखभाल के लिए वन्यजीव कर्मियों की दो टीमें लगाई गई हैं। गौरतलब है कि, कैलादेवी अभयारण्य में तीसरी बार शावकों का जन्म हुआ है। इस बात से यह उम्मीद की जा रही है कि, जल्द ही अभयारण्य में और भी शावकों का जन्म हो सकता है। बाघिन टी-135 इससे पहले भी दो शावकों को जन्म दे चुकी है।

क्या महुआ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अडानी ग्रुप की अनियमितताओं के नए आरोपों की खबर प्रकाशित होने के कुछ दिन बाद से ही यह थ्योरी प्रबल होती जा रही है कि, सत्तारूढ़ पार्टी अडानी ग्रुप के खिलाफ उठ रही मज़बूत आवाज़ों को दबाना चाहती है। मोइत्रा के खिलाफ जांच की मांग करते हुए, स्पीकर को लिखे गए दुबे के पत्र के बाद से मोइत्रा के निजी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक फोटो में महुआ मोइत्रा को पश्चिमी लिबास में तथा एक अन्य फोटो में कांग्रेस नेता शशि थरुर के साथ जाम टकराते दिखाया गया है। अन्य तस्वीरों में, एक में मोइत्रा के मुँह में सिगार नज़र आ रहा है। टी.एम.सी. प्रवक्ता शुभांकर भट्टाचार्य ने कहा, "एक महिला सांसद के विरुद्ध ऐसी अश्लीलता तथा अनुचित टिप्पणियाँ निन्दनीय हैं। यदि, भाजपा सांसद के पास अपने आरोपों से संबंधित सबूत हैं, तो उन्हें वो जानकारी पेश करनी चाहिए। वैसे भी, भाजपा को मोइत्रा द्वारा अडानी ग्रुप की अनियमितताओं को लेकर बार-बार उठाए गए बिन्दुओं के जवाब देने चाहिए। क्या अडानी के विरुद्ध प्रश्न पूछना गलत है?"

जहाँ, ये अफवाहें गर्म हैं कि, महुआ मोइत्रा जेल जाने वाली अगली सांसद होंगी, वहीं, यह धारणा भी मजबूत हो रही है कि, सत्तारुढ़ पार्टी अडानी के आलोचकों का मुँह बंद करना चाहती है।

देवजी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीवाराम चौधरी व पूर्व प्रत्याशी दानाराम चौधरी का हमेशा पूर्ण सहयोग रहा है। क्षेत्र के मतदाताओं एवं कार्यकर्ताओं का दोनों नेताओं को पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

गौरतलब है कि, करीब पांच दिन पहले कुछ अज्ञात हमलावरों ने बीच रास्ते में घेरकर सांसद देवजी पटेल और उनके काफिले की गाड़ियों पर हमला कर दिया था। हमलावरों ने सांसद देवजी पटेल की कार व काफिले की अन्य छः गाड़ियों पर जमकर पथराव किया था तथा चारों और से घेर लिया था। देवजी पटेल को टिकट दिये जाने की घोषणा होने के तुरंत बाद से ही भाजपा में गुटबाजी लगातार खुलकर सामने आ रही है। ज्ञातव्य है कि, रविवार को सांचौर के छः भाजपा विधानमंडल अध्यक्षों ने भी इस्तीफा दे दिया था।

बी.टी.पी. ने जारी की 9 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट

उदयपुर, 16 अक्टूबर (कासं)। भारतीय ट्राईबल पार्टी (बीटीपी) ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को 9 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। बीटीपी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. वेलाराम घोघरा के अनुसार उनकी पार्टी इस बार राजस्थान में 25 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

- **बी.टी.पी. के प्रदेशाध्यक्ष वेलाराम घोघरा ने कहा कि, उनकी पार्टी 25 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।**

डॉ. वेलाराम घोघरा ने बताया कि उदयपुर जिले में खेरवाड़ा सीट पर प्रवीण परमार, झाड़ोल से डॉ. देव डामोर, सलूंबर से प्रकाश खराड़ी, बांसवाड़ा के बागीदौरा सीट से बसंत गरासिया, कुशलगढ़ से देवचंद मावी, डूंगरपुर की चौरासी सीट से रणछोड़ तबियाड, बाड़मेर की शिव सीट से तगाराम भील, झालावाड़ जिले की मोरथला सीट से राजकुमार कटारा, पाली की बाली सीट से मुगलाराम को प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस ने मिजोरम में प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर (वार्ता)। कांग्रेस ने मिजोरम की 40 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम को संस्तुति दी है।

- **मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा में से 39 प्रत्याशियों के नाम कांग्रेस ने घोषित कर दिये हैं। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता ललथनवाला को इस बार टिकट नहीं दिया है।**

मिजोरम विधानसभा की 40 सीटों में से 39 के लिए कांग्रेस ने नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष लाल सवता को एजल दक्षिण-3 से उम्मीदवार बनाया है। वरिष्ठ नेता ललसावता को एजल पश्चिम-3 विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है जबकि एजल पूर्व-1 से ललसंगलरा को, एजल पश्चिम-1 से आर ललबियाकथांगा और पलाक से आईपी जूनियर को उम्मीदवार बनाया गया है।

कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता ललथनवाला को इस बार टिकट नहीं दिया है।

पिछले दिनों उन्हें कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति सीडब्ल्यूसी का सदस्य बनाया गया था। समझा जा रहा है कि उनकी सेहत को देखते हुए पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया है। मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर को खत्म होगा। मिजोरम विधानसभा के लिए सात नवंबर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी। राज्य में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है।

चुनावी मौसम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले हैं। यह जानकारी कोल मंत्रालय के एक कार्मिक ने दी।

छत्तीसगढ़ में पारसा ईस्ट और कांता बासान ब्लॉक में प्रतिवर्ष 1.5 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होता है और इसका स्वामित्व राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के पास है।

पर्यावरण मंत्रालय ने गत वर्ष फरवरी में इसके दूसरे चरण में 1898.328 हैक्टेयर भूमि का गैर-वनीय उपयोग करने की अनुमति दे दी थी। खनन कार्य जारी रखने के लिए 14 हैक्टेयर वन भूमि में पेड़ों की कटाई और भूमि सौंपना आवश्यक है।

141 हैक्टयर वन भूमि में से केवल 43.63 हैक्टेयर ही पेड़ काटकर साफ हुई है जबकि 91.21 हैक्टेयर अभी तक छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कोयला उत्पादन के लिए सौंपना बाकी है।

कार्मिक ने बताया कि केन्द्र और राजस्थान सरकार द्वारा लगातार छत्तीसगढ़ सरकार को निवेदन करने का कोई नतीजा नहीं निकला है। उनका कहना है कि आश्चर्य यह है कि दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार है फिर भी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री चुनाव के मौसम में भी राजस्थान में बिजली के संकट की चिंता नहीं कर रहे हैं।

कैलादेवी अभ्यारण क्षेत्र में बाघिन ने दो शावकों को जन्म दिया

यह तीसरा मौका है जब यहां किसी बाघिन ने प्रज़नन किया है

- **बाघिन टी-135 को शावकों के साथ कैमरा में ट्रैप किया गया है।**
- **वन विभाग ने बाघिन व शावकों की सुरक्षा के लिए दो टीमें गठित की हैं।**

करौली, 16 अक्टूबर (निसं) कैलादेवी वन्य जीव अभ्यारण क्षेत्र से वन प्रेमियों को खुशखबरी मिली है। कैलादेवी अभयारण क्षेत्र में बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया।

डिविजन फॉरेस्ट ऑफिसर नाहर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि, सपोटरा उपखंड की रेंज नैनिया की में बाघिन टी 135 ने दो शावकों को जन्म दिया है जिनको कैमरा में कैद किया गया है। उन्होंने बताया कि, शावकों की सुरक्षा व देखरेख के लिए काफी प्रबंध किए गए हैं।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि, हमारे विभाग के कार्मिकों की दो टीम गठित कर उनकी सुरक्षा एवं देखरेख के लिए लगाई गई है। साथ ही फ्लाइंग स्कॉट टीम भी लगाई गई है एवं कैमरा ट्रैप भी लगाए गए हैं तथा शीघ्र ही टैग भी लगाया जाएगा। कैलादेवी अभ्यारण क्षेत्र में बाघ टी-135 के दो शावकों को जन्म देने से अब अभ्यारण क्षेत्र में टाइगरों की संख्या बढ़ने की संभावना है। गौर फरमाने वाली बात यह है कि तीसरी बार कैलादेवी अभयारण्य क्षेत्र में शावकों का जन्म हुआ है इससे पूर्व दो बाघिन शावकों को जन्म दे चुकी हैं।

पवन खेड़ा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के लिए लगाई है जिसमें उन पर एक संवाददाता सम्मेलन में मोदी के नाम के गलत इस्तेमाल का आरोप है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 17 अगस्त को कांग्रेस प्रवक्ता की अपराधिक शिकायत ओर उनके विरुद्ध चल रही कार्रवाई निरस्त करने की याचिका खारिज कर दी थी जिस वजह से सुप्रीम कोर्ट में अपील करनी पड़ी।

जस्टिस बी.आर. गवई और प्रशांत कुमार मिश्रा ने निजी शिकायतकर्ता उत्तर प्रदेश के भाजपा विधायक मुकेश शर्मा को भी नोटिस जारी किया।

खेड़ा ने कहा था, "यदि नरसिम्हा राव संयुक्त संसदीय समिति गठित कर सकते थे, यदि अटल बिहारी वाजपेयी कर सकते थे तो नरेन्द्र गौतम दास .... सॉरी दामोदर दास मोदी को क्या समस्या है?" बाद में उन्होंने एक सहयोगी से बात कर बीच के नाम की पुष्टि की। भाजपा ने आरोप लगया कि खेड़ा ने जानबूझकर नाम गलत बोला था।

खेड़ा को 23 फरवरी को दिल्ली हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया जब व ए.आई.सी.सी. की बैठक के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर जा रहे थे। उन्हें विमान से उतार कर असम पुलिस उनके विरूद्ध दर्ज एक एफ.आई.आर. के सिलसिले में ले गई।

खेड़ा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई जिसने उन्हें अंतरिम राहत दी और आदेश दिया कि उनके विरूद्ध उत्तर प्रदेश और असम में दर्ज मुकदमों को एक साथ कर लखनऊ स्थानांतरित कर दिया जाये।

समलैंगिक विवाह वैध या अवैध, सुप्रीम कोर्ट आज फैसला सुनायेगा

- **मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 11 मई 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था**
- **याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि, समलैंगिक विवाह को मान्यता न देना समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकारों का उल्लंघन है।**
- **केंद्र सरकार ने याचिकाकर्ताओं का पुरजोर विरोध किया था। सरकार ने दलील देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ताओं की मांग को अनुमति देने से व्यक्तिगत कानूनों के मामले में बेहद खराब स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।**

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की गुहार लगाने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाएगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपना फैसला सुनाएगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 11 मई 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि समलैंगिक विवाह को मान्यता न देना समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में यह भी कहा गया कि शीर्ष अदालत को इस समुदाय की सामाजिक सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी लाभों तक पहुंच के लिए उचित निर्देश भी पारित करने चाहिए।

केंद्र सरकार ने याचिकाकर्ताओं का पुरजोर विरोध किया था। सरकार ने दलील देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ताओं की मांग को अनुमति देने से व्यक्तिगत कानूनों के मामले में बेहद खराब स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

अदालत में सरकार ने यह भी कहा था कि इस विषय को विधायिका द्वारा (केवल इसके व्यापक परिणामों के कारण) ही संभाला जा सकता है। केंद्र सरकार ने यह भी दावा किया था सिर्फ सात राज्यों ने समलैंगिक विवाह के मसले पर उसके सवाल का जवाब दिया है। इनमें राजस्थान, आंध्र प्रदेश और असम ने ऐसे विवाहों के लिए कानूनी मंजूरी की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के तर्क का विरोध किया है।

शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील, ए एम सिंघवी, राजू रामचंद्रन, के वी विश्वनाथन (अब उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत), आनंद ग्रोवर और सौरभ किरपाल ने 21 याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा।

हेमाराम चौधरी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हजारों की तादाद में आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंडाल में हाथ खड़ा करते हुए हेमाराम चौधरी का समर्थन किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं जन प्रतिनिधियों ने हेमाराम चौधरी से कहा कि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग एवं जनता की मांग को देखते हुए अपनी जिद छोड़ दें। शाम साढ़े छह बजे तक कार्यकर्ताओं ने हेमाराम चौधरी को मनाने का काम किया। लेकिन चौधरी अपनी जिद पर अड़े रहे।

पूर्व में भी विधानसभा चुनावों में हेमाराम चौधरी ने चुनाव लडने से मना किया था। लेकिन क्षेत्र की जनता एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिद के कारण चुनाव लड़ा था। इस बार चौधरी खुले मंच पर हर बार सम्बोधन में चुनाव नहीं लड़ने की बात कह रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस की सैकंड लाइन के उम्मीदवार , धोरीमना के पूर्व प्रधान ताजाराम चौधरी उम्मीदवारी का दावा करते नजर आ रहे हैं। अब देखना है कि कांग्रेस पार्टी किसको टिकट देगी। हेमाराम चौधरी की क्षेत्र में भारी लोकप्रियता है और उन्हें जनता का समर्थन भी प्राप्त है। साथ ही इस क्षेत्र में हेमाराम चौधरी के अलावा कोई भी भाजपा प्रत्याशी को टक्कर नहीं दे सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908